PALTHANSH

2024-25

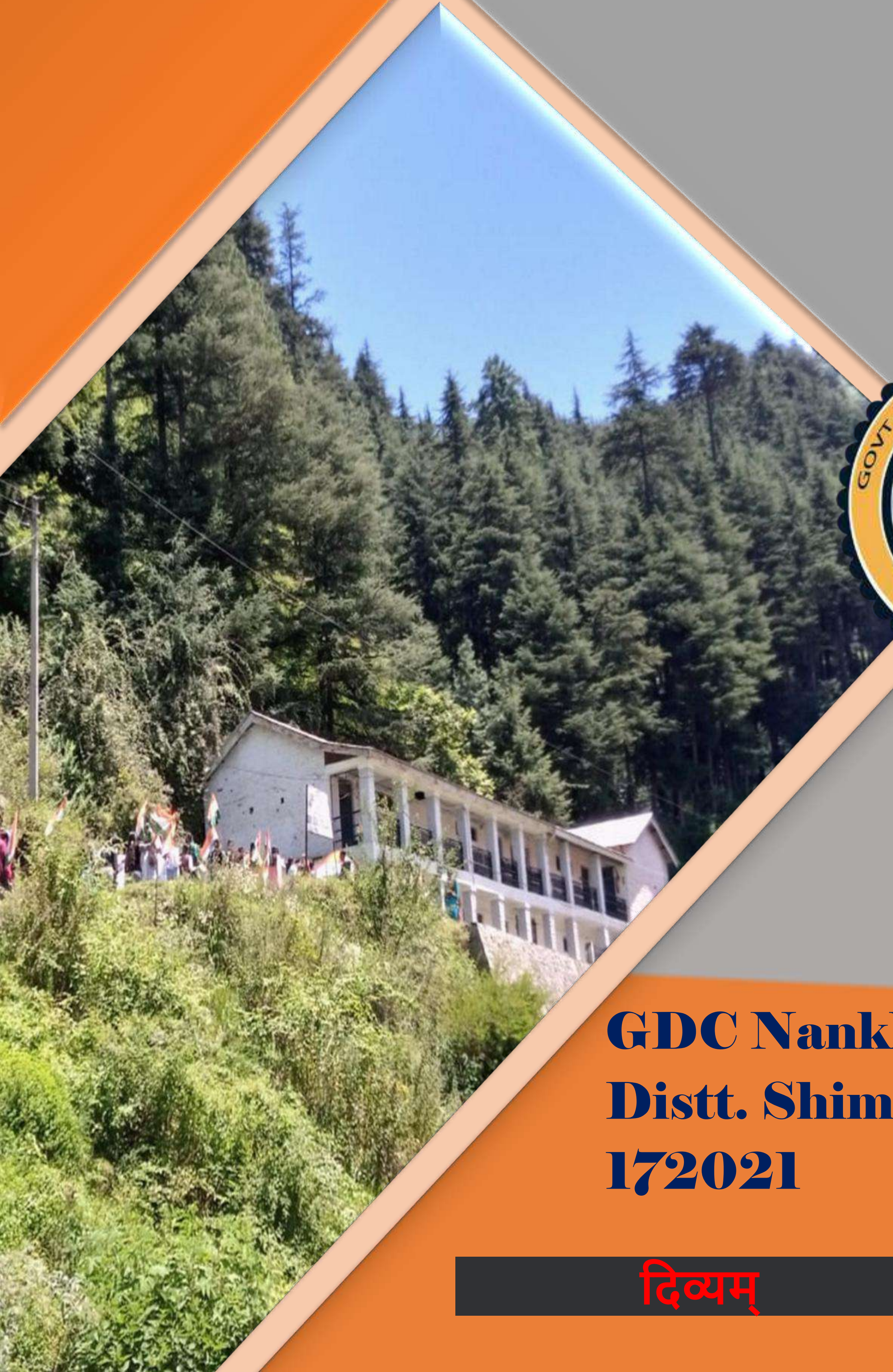

GDC Nankhari
Distt. Shimla (HP)
172021

दिव्यम्

Farewell 2024-25

"SO LONG, SEE YOU AROUND, BUT NEVER A FINAL GOODBYE"

-Fred Flagler

डॉ. पूनम मेहता, प्राचार्या जी. डी. सी ननखरी

<u>प्राचार्या की कलम से :</u>

यह गर्व का विषय है कि राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी अपनी वार्षिक पत्रिका "पलथांश " का दूसरा अंक प्रस्तुत करने जा रहा है। आज महाविद्यालय को11 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं इस अवधि में महाविद्यालय ने नित नई ऊंचाइयों को छुआ है।मै नेल्सन मंडेला के विचार से साम्य रखती हूं कि ' शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली हथियार है जिससे समस्त दुनिया को बदला जा सकता है।' शिक्षा भावी पीढ़ी के लिए सपनों और आशाओं के हजारों द्वार तो खोलती ही है उनकी कल्पनाओं को असीम उड़ान भी देती है, उन्हें बुद्धिमान,अत्याधिक ऊर्जावान, साहसी, दृढ़ संकल्पी, जिम्मेदार और संस्कार युक्त बनाती है। हमारे विद्यार्थियों को निरंतर प्रेरित करने वाले सभी प्राध्यापको और कर्मचारियों का सौहार्दपूर्ण व्यवहार उन्हें संयमित और अनुशासित तो रखता ही है साथ ही जीवन के संघर्षों से रूबरू कराता है। पहाड़ की ऊंचाई की तरह जीवन मे आगे बढ़ते रहने की कामना और अपने लक्ष्य की पूर्ति के लिए एकाग्रचित होना तथा निस्वार्थ होकर सौहार्द पूर्ण वातावरण मे अच्छे नागरिक बनने की और प्रेरित करना समाज सेवा मेंअपना महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार करने का काम महाविद्यालय बखूबी कर रहा है, 'पलथांश' एक छोटा सा माध्यम है जो विद्यार्थियों की मौलिकता को दर्शाने का प्रयास कर रही है, प्रयास जारी है, भावी पीढ़ी से आशाएं हैं वह जीवन की राहों में निरंतर आगे बढ़ते रहे और नित नई ऊंचाइयों को छूते रहें, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ...

डॉ. पूनम मेहता

<u>मुख्यसम्पादक की कलम से :</u>

'चले तो कट ही जायेगा सफर आहिस्ता आहिस्ता...

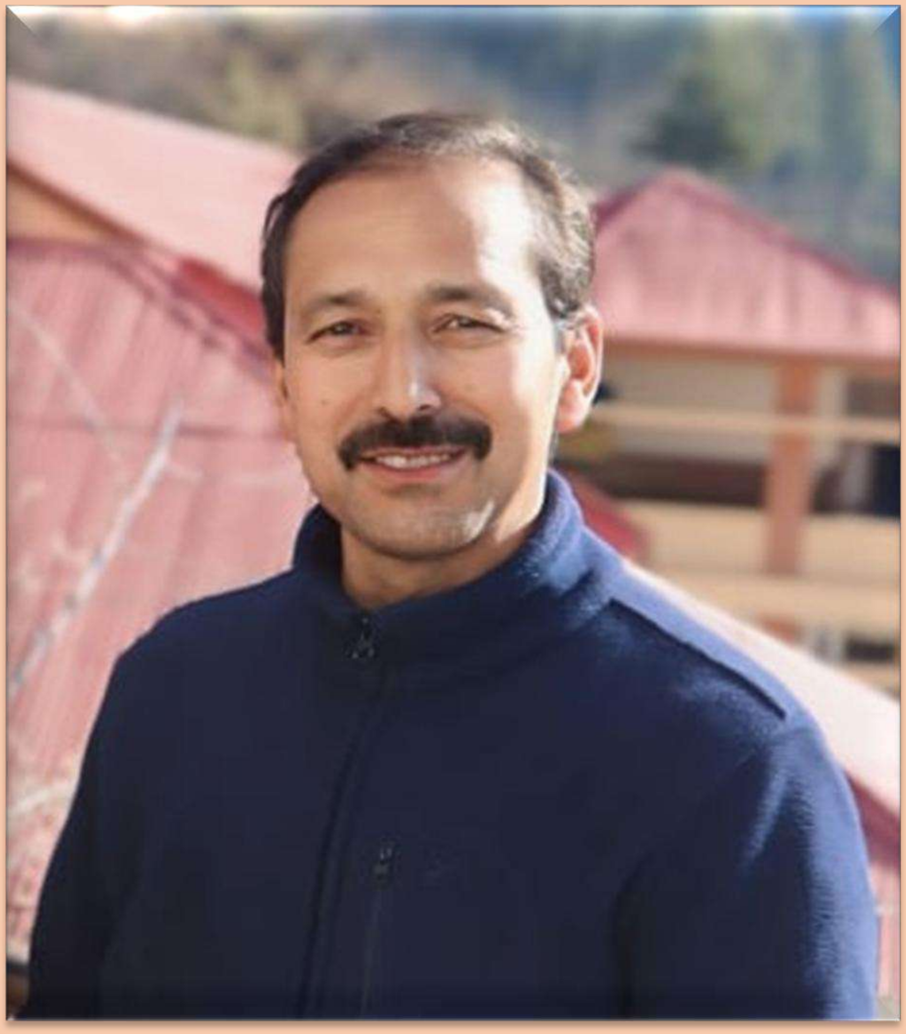

महाविद्यालय की पत्रिका के मुख्यसम्पादक के तौर पर दायित्व का निर्वहन करना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है। युवा वर्ग के सानिध्य मे अपने आप को शारीरिक, मानसिक, और दिमागी रूप से स्वस्थ रखना चुनौती भरा कार्य रहता है, जब सभी साथ हो तो यह काम और भी सरल हो जाता है, समस्त महा विद्यालय परिवार इसके लिए बधाई का पात्र है, सहयोगी प्राध्यापक साथियों ने इस पत्रिका के लिए विशेष परिश्रम किया है, महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी मौलिक सृजन प्रतिभा का परिचय देने का प्रयास किया है, आगामी जीवन मे उनकी कल्पनाएं, सपने, आकांक्षाये, लक्ष्यपूर्ति मे सहायक बने रहे और वे निरंतर ऊंचाई, प्रगति की ओर अग्रसर रहे, उनकी सृजनशीलता जीवन के हर क्षेत्र मे बनी रहे। इन्ही शुभकामनाओं के साथ...

डॉ. इंदर सिंह सूर्यान

ओ नभ में उड़ने वालो, जरा धरती पर आओ।
अपनी पुरानी सरल-सादगी फिर से अपनाओ।
तुम संतो की तपोभूमि पर मत अभिमान में डालो।
अपनी नजर में तुम क्या हो? ये मन की तराजू में तोलो।
कभी-कभी ख़ुद से बात करो।
कभी-कभी ख़ुद से बोलो।

कवि प्रदीप

PRINCIPAL ADDRESS

Teaching Staff

Staff Members

Non-Teaching Staff

TEACHING STAFF

Dr. Inder Singh Suryan
(Dept. of Hindi)

Prof. Vijay Kumar
(Dept. of Pol. Sci.)

Dr. Punita Verma
(Dept. of Commerce)

Prof. Dev Kumar
(Dept. of Economics)

Prof. Sharmila Nalwa
(Dept. of History

Prof. Lalit Kumar
(Dept. of Sociology)

Prof. Priyanka
(Dept. of English)

Prof. Shiva
(Dept. of Music-I)

Dr. Tanvee
(Dept. of Commerce)

NON-TEACHING STAFF

Sh. Roop Chand
(Sr. Assistant)

Sh. Baldev Singh
(Clerk)

Smt. Sandeepa Devi
(Peon)

Sh. Jagdish Chand
(Peon)

Smt. Devendra Devi
(Peon)

Smt. Krishna Devi
(Peon)

Smt. Sharda Devi
(Peon)

CSCA Members 2024-25

PTA 2024-25

Prof. Vishal Rangta Dept. of English (COE) College Sanjauli

Independence Day Celebration 2024

Red Ribbon Club

Scholarship Awareness Program (Prof. Dev Kumar)

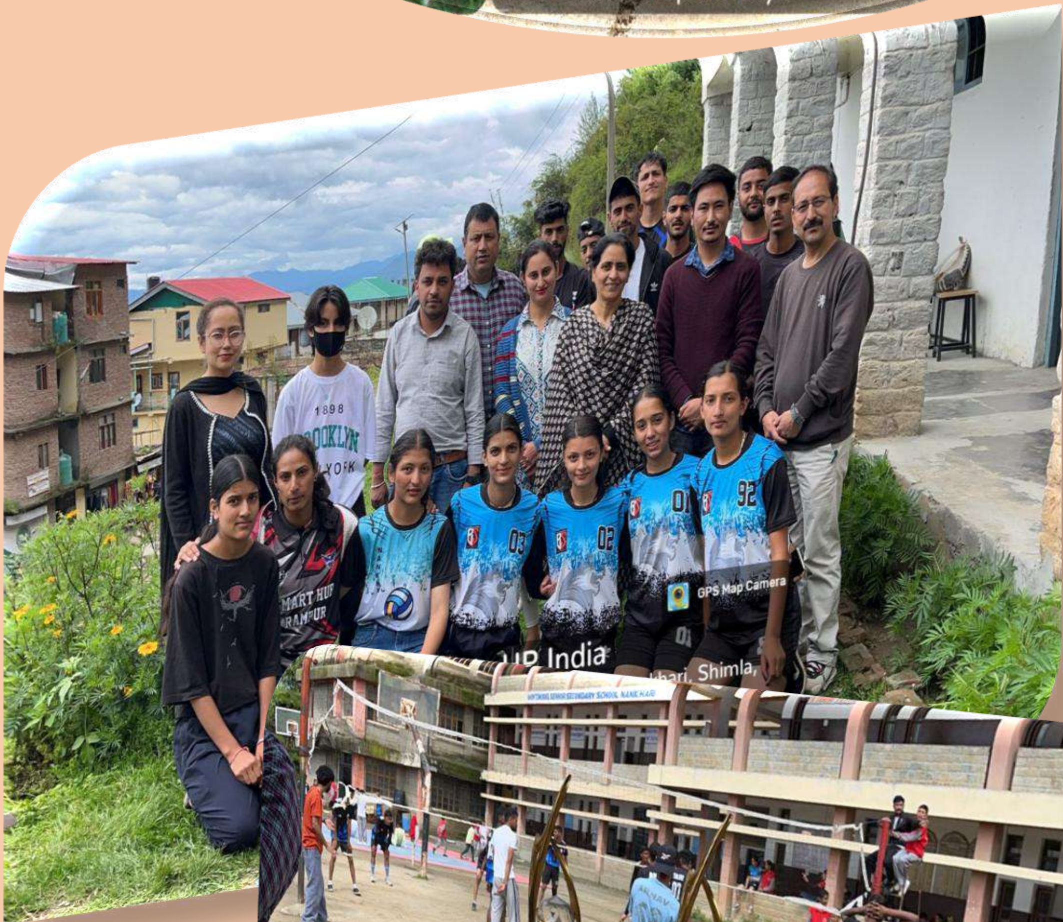

National Sports Day 2024

TEACHERS DAY

Library Inspection Team (Principal GDC Kumarsain) Dr. Rajesh Dhorta

Hindi Divas 2024
RBI90 Quiz
"हिन्दी-दिवस
14/9/2024"
Money Wise
Centre For Financial Literacy
मनीवाईज - वित्तीय साक्षरता केन्द्र रामपुर
UCO BANK
RBI DEA FUND
GPS Map Ca
Nankhari, Himachal Pradesh, India
Financial Literacy Awareness Programme
Organised by Dept of Commerce and Economics
GPS Map Camera
Nankhari, Himachal Pradesh, India
8H4M+5G9, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Lat 31.305486°
Long 77.58431°

GPS Map Camera
Nankhari, Himachal Pradesh, India
8H4M+5G9, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Long 77.584283°
Financial Literacy
Awareness Program
Financial Literacy Awareness program

GPS Map Camera
Nankhari, Himachal Pradesh, India
8H4M+5G9, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Lat 31.30551°
Long 77.584326°
21/09/24 02:48 PM GMT +05:30
Fresher Party 2024
Google
FRESHER PARTY 2024

GPS Map Camera
Nankhari, Himachal Pradesh, India
8H4M+5G9, Nankhari, Himachal Pradesh 172021, India
Lat 31.305512°
Long 77.584324°
21/09/24 02:50 PM GMT +05:30
Fresher Party 2024

OATH TAKING CEREMONY (CSCA)

ECO Club

Electoral Literacy Club

SAR Committee Visit 2024

Alumni Meet

World Aids Day, Red Ribbon Club

IQAC and Women Cell

B.A. / B. Com. Affiliation Team (HPU)

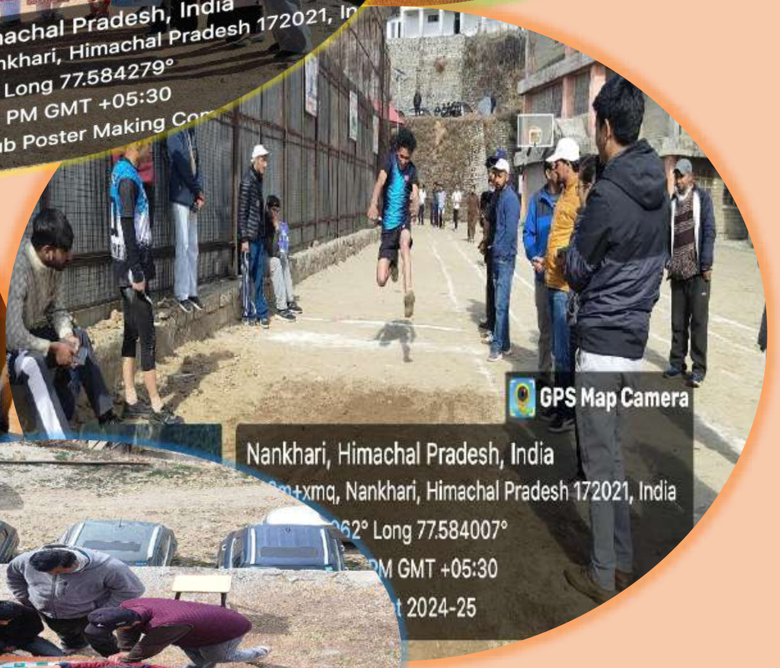

ANNUAL SPORTS MEET 2024

7 Days NSS Camp & Music Competition

Road Safety Club Activities 2024-25

World Consumer Rights Day

Cultural Fiesta 2024-25

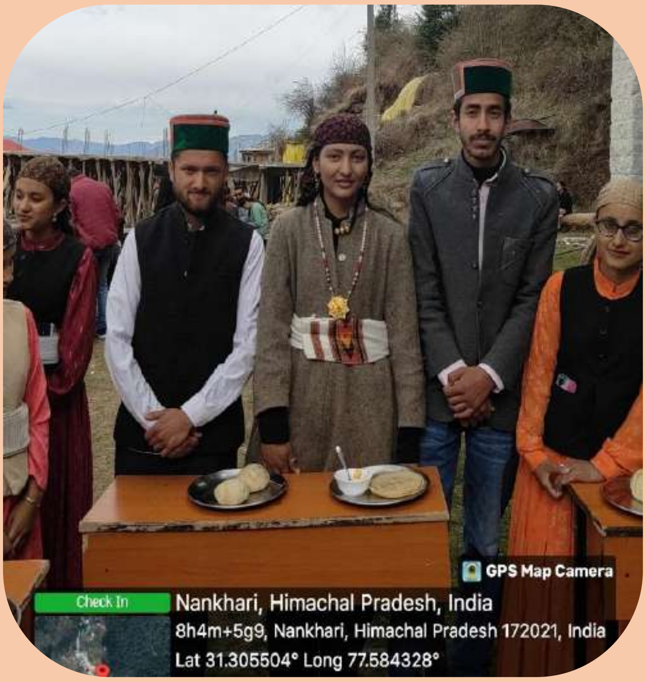

Annual Prize Distribution Function 2024-25

Educational Tour by College

Visit to Horticulture Dept. at Nankhari

Farewell Party 2024-25

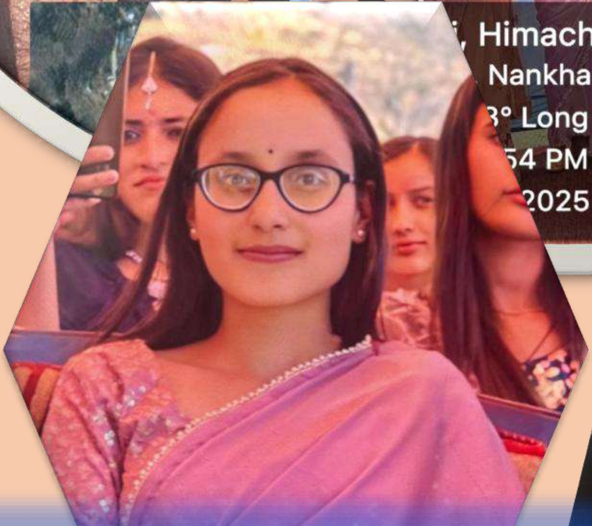

Students Corner

शिमला

पहाड़ों की रानी, नदियों का पानी
कल- कल करते झरने,
चहचहाते पशु पक्षी, बंदरों की अठखेली,
गगनचुंबी देवदार के वृक्ष
सबके मन को भाते हैं,
शिमला की खूबसूरती को
यह चार चांद लगाते हैं।
रिज का मैदान घूमने
दूर दूर से लोग आते हैं,
आकर क्राइस्ट चर्च के सामने
लोग खूब सारी तस्वीरें खिंचवाते हैं।
बच्चे हो या बुजुर्ग
सभी शिमला घूमने आते हैं,
करके घोड़े की सवारी
सभी खुशी से झूम जाते हैं।
अलग-अलग देवी देवता के मंदिर,

श्रद्धालुओं के मन को भाते हैं,
बर्फ से ढके यहां के पहाड़
इसकी शोभा को बढ़ाते हैं,
देख कर शिमला की खूबसूरती
सभी दंग रह जाते हैं,
देखने इसके मनमोहक दृश्यों को,
पूरे विश्व से लोग आते हैं।
यहां के सेब अखरोट और खुमानी
सभी को पसंद आते हैं।
यहां के विभिन्न भोजन को
सभी मजे लेकर खाते हैं।
बच्चे, बुजुर्ग और नौजवान सभी
जब मिलकर नाटी लगाते हैं,
देख कर शिमला की खूबसूरत नाटी
सभी लोग झूम जाते हैं।

अनुष्का मेहता,
बी.ए. तृतीय वर्ष, रोल न• 12218

जय दूधिया नाग देवता (ननखड़ी)

दूधिया नाग देवता जी की उत्पति "देओ मरैल-शानी मरैला" मे हुई परन्तु इनको स्थान जय देवता साहिब पलथान शोली जी द्वारा तहसील ननखड़ी की भोरजा घोड़ी (मुख्य बाजार ननखड़ी)के घने जंगलो मे ऊँची चोटी पर स्थान दिया गया। इस स्थान पर जय दूधिया नाग देवता जी की आंखों के रूप में दो झीले, साथ ही एक खूबसूरत मंदिर जिसमे जय दूधिया नागजी पाषाण पिंडी के रूप में विराजमान है। मंदिर में शिवलिंग स्थापित है जो श्रीखंड महादेव से लाया गया है, स्वयं श्रीखंड महादेव जी वहां विराजमान है और मंदिर में कल्पवृक्ष के रूप में आयुर्वेदिक व प्राकृतिक 'थलीन' नामक वृक्ष है जिसमें भगवान शिव जी की मानस पुत्री वह सभी नागों की नाग माता एवं सबकी मन की इच्छा पूरी करने वाली' देवी मां मनसा माता' का स्थान है। मंदिर के गर्भ ग्रह के बाहर जय दूधिया नाग देवता जी का लिंग आकार नाग स्तंभ भी स्थापित हुआ है, मंदिर आंगन व मैदान में एक बहुत बड़ा देवदार का वृक्ष है इसमें मां कोटकाली और उनके साथ श्री अरल बाहन कोट का स्थान भी है। श्री अरल बाहन देवता कोट जय दूधिया नाग देवता जी की गर्भ गृह मे त्रिशूल के रूप में स्थापित है जो हर बुरी शक्तियां विशेष रूप से भूत प्रेत, छल-चिद्रा बाधाओं से दूर रखती है और पूरे स्थान की रक्षा करती है। दूधिया नाग देवता मंदिर वह स्थान पर नौ नाग देवता और अन्य सात शक्तियां विराजमान है जयबनशीरा देवता जी आदि।

नाग देवता जी के मंदिर में आकर ही दर्शन प्राप्त होने व देवता जी के गुर(माली)जी के माध्यम से पूछताछ से " विष, जादू टोना, किया -कराया, कालसर्प दोष, तिल, नाग- तिल आदि सभी समस्याओं का समाधान होता है।

हर रविवार और मंगलवार मंदिर में गुरु पुजारी (माली)के माध्यम से जय दूधिया नाग देवता जी प्रकट हुआ पग़ड़ा होकर मंदिर में आए सभी भक्तों को न्याय देते हैं एवं उनकी समस्या का समाधान करते हैं। देवता जी के आशीर्वाद से मनवांछित इच्छाओं का पूरा होना और समस्याओं का समाधान हो जाता है। नाग देवता जी की कृपा जिस पर हो जाती है उस व्यक्ति पर कभी भी ऊपरी बाधाओं, जादू टोनो का प्रभाव जीवन भर नहीं होता, स्वयं नाग देवता आजीवन उनकी रक्षा करते है। दूधिया नाग देवता जी का जन्मोत्सव व उत्पति पर्व "3प्रविषटे

आषाढ़ " (जून महीने में) मनाया जाता है, इस अवसर पर विशेष पूजन व दोपहर 12:00 बजे पूज्य गुर व माली के माध्यम से स्वयं देवता जी प्रकट होकर और झील में जाकर भक्तों को भव्य व पवित्र दर्शन देते हैं। देवता साहब पलथान शोली जी के माध्यम से नाग देवता जी (पलथान जी की पालकी, रथ मे छाती वाले भाग मे विराजमान हैं इसलिए23 प्रविषटे आषाढ़ जुलाई महीने में देवता साहब पलथान शोली जी की पालकी व रथ नाग देवता जी के मंदिर में आती है इस अवसर पर दोनों का भव्य मिलन होता है। इस मेले को हर वर्ष हर्षो उल्लास से मनाया जाता है। दूधिया नाग देवता ननखड़ी जी के मुख्य पर्व व मेले के रूप में नाग पंचमी श्रावण मास के शुक्ल पक्ष के पंचमी तिथि में पडती है, इस दिन मंदिर में विशेष पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। श्रद्धालु गण मंदिर जाकर दूध का चढ़ावा व नाग नागिन का जोड़ा श्रद्धा पूर्वक चढ़ाते हैं इसके अतिरिक्त वहां पूरे ज्येष ठ महीने के हर रविवार को विशेष पूजा अर्चना, चैत्र व शरद दोनों नवरात्रि पर्व में 9 दिन में विशिष्ट नव दुर्गा पाठ किए जाते हैं। यहां ओलावृष्टि बंधन पूजा चैत्र नवरात्रि की अष्टमी व ज्येष्ठ मास में किया जाता है। माघ संक्रांति पर्व को नाग देवता जी इंद्रप्रवास व 'फुक्क मेला' स्वर्ग के लिए जाते हैं और सातवें दिन को वापसी मंदिर आते हैं इसलिए इसे ' सातके पर्व' के रूप में मनाया जाता है। सावन महीने में हर सोमवार को विशेष पूजन व भक्तगण सोमवार का उपवास रखते हुए भारी संख्या में वहां दर्शन करने आते है, दूधिया नाग देवता ननखड़ी में एक बहुत ही दिव्या एवं शक्तिशाली स्थान है, जब भी आप कभी ननखड़ी आए तो इस पवित्र स्थान पर अवश्य जाएं और नाग देवता जी का आशीर्वाद प्राप्त करें यहां आप सब श्रद्धालु गणों को विशेष प्रकार की आत्मिक शांति व मानसिक शांति की अनुभूति होगी।

भाविता शर्मा,
बी•ए•प्रथम वर्ष।

भुण्डा :

खडाहन का भुण्डा महायज्ञ :भुण्डा यज्ञ के लिए चार कशावरी की गांठ पडती है, इसमें पंडित से पहले दिन निकलवाना पड़ता है यूँ कहिये की पंडित दिन देखता है। भुण्डा यज्ञ रैक और सामन्त की तरफ से करवाया जाता है और स्थानीय देवता जिशर महादेव जी के मंदिर मे होता है, इस यज्ञ से कुछ महीनेपहले जेली नामक व्यक्ति जो रोहडू के के गांव से संबंध रखता है उसके द्वारा एकरस्सी बनाई जाती है, इस रस्सी को बनाने मे कई महीने लग जाते है. यह रस्सी मुंशी नामक स्थानीय घास से बनती है।यह घास अड्डू गांव के लोगों द्वारा लाई जाती हैऔर फिर जैली की रैक और सामंत के लोगों द्वारा दान दिए जाने के बाद भण्डा यज्ञ रखते हैं। इस यज्ञ मे धरेत देवता भोरजा, नाग नागाधार, कोट काली माता अड्डू, देवता मैलेन व अन्य स्थानीय देवी देवता भाग लेते है। जेली की रस्सी 300-400 मीटर दूर से बांधी जाती है, जैली या बेड़ा को बिठाया जाता है। जब जेली के द्वारा या रस्सी पर की जाती है तू भुण्डा आयोजन सफल माना जाता है। अगर जैली या बेड़े द्वारा रस्सी पार नहीं की जाती तो भुण्डा आयोजन असफल माना जाता हैऔर यज्ञ को दोबारा शुरू करना पड़ता है। ऐसा माना जाता है किइस अवसर पर गांव के चारों ओर परिक्रमा की जाती है जिसे फेर कहा जाता है ये भुर्जा गांव के खूँद निवासीयों द्वारा किया जाता है।अंत मे मंदिर के शिखर पर पूजा होती है जिसे स्थानीय भाषा में(शिखा पूजन) कहा जाता है। कई बकरों की बलि देने के बाद देवता जीशर महादेव के इलाके में शांति और समृद्धि की कामना की जाती है।

पायल खूँद
बी•ए• तृतीय वर्ष।

राग चिकित्सा :

भारत प्राचीन चिकित्सा विज्ञान, जिसे आयुर्वेद के नाम से जाना जाता है की एक शाखा है जो विस्तार से बताती हैं कि संगीत किस तरह शरीर और मन की कई बीमारियों को ठीक कर सकता है। विशिष्ट अनुप्रयोग की इस प्रक्रिया को राज चिकित्सा या राज विद्या कहा जाता है तथा इसे राग थेरेपी भी कहा जाता है। राज चिकित्सा के लाभ से चिंता तनाव पाचन समस्याओं उच्च रक्तपात हृदय रोग और नींद ना आने जैसी बीमारियों को ठीक किया जा सकता है। राग चिकित्सा में उपयोग किए जाने वाले कुछ राग :

* राग दरबारी: यह राग तनाव चिंता और अनिद्रा को कम करने में मदद करता है।
* राग अहीर भैरव: यह राज उच्च रक्तचाप के लिए फायदेमंद हो सकता है।
* राग भैरवी: यह राग सर दर्द साइनस और नीद की समस्याओं के लिए फायदेमंद हो सकता है।
* राग मालकोन्स : यह राग अनिद्रा और तनाव से राहत दिला सकता है।
* राग शिवरंजनी: यह राग याददाश्त और स्मृति से संबंधित समस्याओं के लिए फायदेमंद हो सकता है।
* राग पीलू : यह राग खून की कमी के लिए फायदेमंद हो सकता है।
* राग देस : यह राग पाचन संबंधी समस्याओं और सर दर्द के लिए फायदेमंद हो सकता है।
* राग दीपक, गुंकली, जौनपुरी, हिंडोलम: यह राग शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए मदद करते हैं।
* राग पूरिया धनश्री : यह राग अनिद्रा से राहत दिलाता है।
*राग जयजयवंती: यह राग सामान्य शारीरिक कमजोरी के लिए फायदेमंद हो सकता है.।
* राग तोड़ी: यह राग उच्च रक्तचाप और सर दर्द के लिए फायदेमंद हो सकता है।

* राग कामज: यह राज मानसिक तनाव को कम करने मे मदद करता है।
* राग मल्हार: यह राग क्रोध,अत्यधिक मानसिक उत्तेजना और मानसिक अस्थिरता को शांत करता **है।**

रीतांजलि
बी.ए. तृतीय वर्ष।

उपभोक्ता कानून का इरादा ग्राहकों की सुरक्षा का वादा :

विश्व उपभोक्ता दिवस अधिकार दिवस प्रतिवर्ष 15 मार्च को मनाया जाता है। यह दिवस उन सभी उपभोक्ताओं को समर्पित है जो विभिन्न उत्पादों और सेवाओं का उपयोग करते हैं,उपभोक्ता अधिकार दिवस का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं के हित में जागरूकता बढ़ाना और उनके अधिकारों को सुरक्षित करना है। 2025 में राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस की 'थीम टिकाऊ जीवन शैली के लिए उचित बदलाव' है जो सभी उपभोक्ताओं के लिए स्थाई और स्वस्थ जीवन शैली विकल्पों को उपलब्ध सुलभ और सस्ती बनाने की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती है।उपभोक्ता आंदोलन की नींव सबसे पहले 15 मार्च 1962 को अमेरिका में रखी गई थी।भारत में उपभोक्ता आंदोलन की शुरुआत 1966 में महाराष्ट्र से हुई. 15 मार्च 1983 शहीद दिवस लगातार मनाया जा रहा है. प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी की पहल पर 9 दिसंबर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विवेक पारित किया गया इसे राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद देश भर में लागू किया गया। पिछले कई वर्षों से किसी भारत में हर साल 24 दिसंबर को मनाया जाता था क्योंकि इस दिन राष्ट्रपति द्वारा भारतीय उपभोक्ता कलेक्शन अधिनियम लागू किया गया था। अब सवाल यह उठता है कि उपभोक्ता सुरक्षा अधिनियम के निर्माण की जरूरत क्यों पड़ी।बाजार में उपभोक्ता को शोषण से बचने के लिए पहले कोई कानूनी व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी बहुत लंबे समय तक उपभोक्ताओं को विक्रेताओं के हाथों शोषित होना पड़ा। उपभोक्ताओं को शोषण से बचने के लिए उपभोक्ता आंदोलन ने सरकार पर दबाव डालें।भारत सरकार द्वारा बड़ा कदम उठाते हुए इस कानून को लागू किया गया जो कंज्यूमर प्रोटक्शन एक्ट के नाम से प्रसिद्ध है। आधुनिक युग में उपभोक्ता अधिकार बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि उपभोक्ताओं की संख्या और उनका योगदान बढ़ रहा है इस दिन के माध्यम से हमें उपभोक्ता अधिकारों के महत्व को समझने का अवसर प्राप्त होता है, साथ ही उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति सचेत किया जाता है. विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर हमें यह याद दिलाना चाहिए कि उपभोक्ताओं के अधिकारों का सम्मान करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है और इसके लिए हमें सक्रिय रूप से काम करना चाहिए।
" उपभोक्ता के अधिकारों को जाने
वस्तु पर प्रिंट मूल्यों को ही माने.।"

मुस्कान ठाकुर
बी.ए. प्रथम वर्ष।

पतझड़ आ गया :

अभी कल ही की बात थी शायद -
बसंत आया था
पेड़ो की नसो मे नयी हरयाली उत्तरी थी
नन्ही कलियाँ सांस लेने लगी
ओन्स की नन्ही नन्ही सर बूंदे
हरी पतियों पर चुपके से चमक उठी
हर झॉके मे फूलों की खुशबु धुल गयी थी।
फिर साँज ढली, सावन उतर आया
बिजली की लकीरें आकाश मे नाच उठी
बारिश की अनगिनत बूंदे छतो को थपथपाती रहीं
कभी वो गुनगुनाहट कानो को लोरी सी लगी
तो कभी वही गदगड़ाहट नींद तोड़कर
दिल को चोकन्ना कर गयी
सुबह आँख खुली तो नज़ारा बदला सा था
पेड़ों से पीले पते झड़ रहे थे
धूल से भरे भारी से
जैसे कोई रातों रात
रंगीन मौसम की चादर खींच ले गया हो.
मैंने किसी को कहते सुना
मौसम भी कितनी जल्दी बदल जाते है न
अभी कल ही की बात थी
शायद बसंत आया था
आज देखो पतझड़ आ गया।

स्मृता
बी. ए. द्वितीय वर्ष।

Article on Cruelty to Animals

treating animals with love and compassion is the moral duty of every
Individual. However, we often fail to fulfill this duty. Instances of animal cruelty are in abudence in our society.Poachers mercilessly kill animals for their skin, fur and teeth. THis has led to extinction of several species of animals which, in turn, has affected the ecological balance of our planet.
Several companies use animals for testing medicines and casmatic, similarly animal are often ill -treated and forced in to performing circus trick's and other activities for our entertainment. The only way to take animals off the streets is by creating proper animal shelters where they had be provided with food. We must under stand that coexistence and harmony between human and animals are essential for our plant's survival. We must be more responsible and protective
towards animals. We must learn to love them.

Ridil Khoond
B.A. 1st Year.

"A Treasuer Tour of Natural Beauty and Cultural Richness."

Nankhari picturesque town nestled in the Shimla district of Himachal Pradesh, is a heaven of natural beauty and Cultural richness. The town rugged terrain and high altitude create a breathtaking landscape of rolling hills, lush green forest, and sparkling streams.

The people of Nankhari are warm and welcoming, with strong sense of community that binds them together. Their daily lives are filled with stories, songs and rituals that have been passed down through generations, reflecting their deep connection to the land and their heritage.

Nankhari s cultural febric is woven with vibrant tradition, from folk music and dance to Colourful festivals and fairs.

The town's economy is primarily driven by agriculture, with local cultivating crops like apples, peas and potato.

The town's natural beauty is mesmerising, with opportunities for traking, hiking and exploring the surrounding hills and forests. Nankhari's Seenic landscape, cultural richness, and warm hospitality make it a perfect destination for those seeking a tranquil and enriching experience.

Key Aspects of Nankhari:

* Natural Beauty: Rolling Hills, lush green forests.and sparkling streams.
* Cultural Richness: vibrant traditions, Folk Music and dance.

*Community Spirit: Warm and welcoming people, strong sense of community.
*Agriculture: Local economy driven by crops like apples, potatoes, and other vegetables.
*Spiritual Significance: Deep reverence for deities, festival's and fairs in their honor.
*Tourism: opportunities for tracking, hiking and exploring the surrounding Hills and forests.

Nankhari's spiritual significance is reflected in is festival and fairs, which shows the town's rich cultural heritage and devotion to its deities. These events bring the town s community togethers, Promoting unity and celebration.

Sandesh Mehta
B. A.1st year

Its Up to You

One song can spark a movement,

One flower can wake the Dream,

One tree can start the forest,

One bird can hearld spring,

One smile begins a friendship,

One handclasp lifts a soul,

One star can guide a ship at sea,

One word can frame the goal,

One goal can change a nations,

One Sunbeam lights a room,

One candle wipes out darkness,

One laugh will conquer gloom,

One step must start each journey,

One word must start each prayer,

One hope can raise our spirits,

One touch can show you care,

One voice can speak wisdom,

One heart can know what's true,

One life can make a difference.

YOU SEE, IT'S UP TO YOU!

Bhawita sharma,
B.A. 1st Year.

Rohru: The beautiful town of Himachal Pradesh.

Rohru is a beautiful town in Shimla district in the Indian state of Himachal Pradesh. It is located at the bank of Pabber River, it is about 115km away from Shimla City. Rohru was a part of Bushehar state and founded during the period of Raja Padam Singh in 18th century.Besides, town is dotted with numerous temples majority of which belongs to Lord Ram and Lord Shiva with rich manifestation of hill architecture design elements including stone roofs and Windows. This town is also known for its apple farms attractive locations and gorgeous mountains that's surround it. The town most popular pastimes is traut fishing.

The Shikru Devta temple is located in the centre of Rohru. This temple is gorgeous to look, the temple had a long history. The shikhadevta was discovered at Chandranahan Lake in Chirgaon Tehsil. Which is 17 km from Rohru. Chandranahan Lake is stunningly lovely lake to see. Every year the annual fair is held in the month of April. The Shikru Devta temple is one of the Rohru's most popular tourist attraction.

Shabnam kharshola
B. A.2nd Year.

"Sound's of the Himalayas exploring Himachal's Folk Instruments."

Himachal Pradesh a state in the Himalayas is known for its rich cultural heritage. One aspect of is its traditional musical instruments. These instruments play a vital role in folk music dance and festivals. Himachali vadya yantra refer to the traditional musical instruments of Himachal Pradesh, India which are deeply ingrained in the regions cultural and religious traditions. These instruments such as the Manjeera, khatal, and Narsingha etc. They not only add flavour to folk music and dance performance but also symbolize the community, s identity and Cultural roots. Efforts should be made to reserve and promote these instruments to ensure the state's rich cultural heritage continue to thrive. Types of tradition instruments Narsingha: A long brass trumpet used in processions, temple services and other celebrations. Karnal: A brass trumpet conical bell, played in a diagonal position. Nagara: A traditional drum used in various folk music and dance performances. Dhol: A double -sided drum used in folk music and celebration. Shehnai: A traditional oboe like instrument used in folk music and wedding. Damaru: A double sided houraglass -shaped drum, played in various regions, Including Himachal Pradesh.

Sargam
B.A. 3rd Year

वार्षिक रिपोर्ट सत्र 2024-2025

राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी,
जिला शिमला हि. प्र. 172021
वार्षिक रिपोर्ट सत्र 2024-2025

राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी हिमाचल प्रदेश की राजधानी जिला शिमला से लगभग 100 किलोमीटर की दूरी पर रामपुर उप मंडल में स्थित यह स्थान चारों ओर से ऊंची पहाड़ियों से घिरा हुआ है जिसमें एक ओर रोहड़ू उप मंडल की खदराला और सुंगरी की पहाड़ियों के दर्शन होते हैं तो दूसरी ओर कोटखाई उपमंडल की ऊँची पहाड़ियों की छटा जिसमे कोट और कोटगढ़ उपमंडल की हाटू तथा नारकंडा की खूबसूरत पहाड़ियाँ दिखती है, दूसरी ओर जिला कुल्लू की खूबसूरत वादियां इसकी सुंदरता को और भी ज्यादा बढ़ा देती हैं। आज से 11 वर्ष पूर्व 2014 को हिमाचल प्रदेश के नव महाविद्यालयों की अधिसूचना के साथ यह महाविद्यालय अस्तित्व में आया। 4 जून 2014 की अधिसूचना के साथ 14 नये महाविद्यालयों को सुचारू रूप से चलाने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार ने व्यवस्था कर दी जिसमें पहले शैक्षणिक सत्र का आगाज अगस्त2014 मे हुआ और प्रथम प्राचार्य के रूप मेंश्री के.एस.मेहता ने कार्यभार संभाला और विद्यार्थियों की संख्या 19 रही (13छात्राएं, 6छात्र)। इस महाविद्यालय मेंआस पास के लगभग 25-30 गाँव के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। यहां विद्यार्थियों की संख्या भले ही कम है फिर भी वे शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ सहपाठयक्रम गतिविधियों में भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं। चाहे राजनीतिक क्षेत्र हो, समाज सेवा,शिक्षा, पुलिस अथवा व्यापार। हर क्षेत्र में यहां से पढ़कर निकले विद्यार्थी विभिन्न सामाजिक क्षेत्र में कार्य करते हुए समाज में देश के अच्छे नागरिक होने की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को निभा रहे हैं।महाविद्यालय के नये भवन का निर्माण कार्य प्रगति पर है, वर्तमान समय मे राजकीय महाविद्यालय ननखड़ी,राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ननखड़ी के पुराने भवन मे चल रहा है।विद्यार्थियों को भवन सम्बन्धित समस्या का सामना करना पड रहा है फिर भी धीरे धीरे ही सही विद्यार्थियों को सुविधाएं जुटाई जा रही है। वर्तमान सत्र 2024-2025में हुई महाविद्यालय की गतिविधियों का ब्यौरा इस प्रकार है.

नामांकन: सत्र-2024-25 में महाविद्यालय में 77 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।
बी.ए. प्रथम वर्ष (35) बी. कॉम. प्रथम वर्ष (1)
बी.ए. द्वितीय वर्ष (22) बी. कॉम. द्वितीय वर्ष (0)
बी.ए. तृतीय वर्ष (18) बी. कॉम. तृतीय वर्ष (1)

विद्यालय एवं स्टॉफ : महाविद्यालय का कार्य सुचारु रूप से चलाने के लिए विभिन्न श्रेणियों के पद सृजित किए गए हैं जिन मे प्राचार्य के अतिरिक्त प्राध्यपक अंग्रेजी, हिंदी, इतिहास, समाजशास्त्र संगीत वाद्य, अर्थशास्त्र, राजनीतीशास्त्र, वाणिज्य,गणित, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष है। सभी पद भरे हुए हैं गणित विषय को छोड़कर। नॉन टीचिंग में अधीक्षक ग्रेड (!!), वरिष्ठ सहायक,क्लर्क, और 5 सेवादारों के पद सृजित किए गए हैं। अधीक्षक का पद पिछले वर्ष से रिक्त चल रहा है और एक क्लर्क,एक सेवादार का पद भी रिक्त है। पुस्तकालय (लाइब्रेरी): महाविद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पुस्तकालय उपलब्ध है जिसमें लगभग 600 पुस्तके हैं। इसके अतिरिक्त कंप्यूटरों की सुविधा भी है। विद्यार्थियों के लिए एक स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना भी की गई है।महाविद्यालय की पत्रिका पलथांश " का दूसरा अंक भी प्रकाशाधीन है। हमारे विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही छात्रवृत्तियों का पूरा-पूरा लाभ ले रहे हैं।

अध्यापक अभिभावक संघ (पी.टी.ए.)/ओ.एस.ए. का गठन: महाविद्यालय में पी.टी.ए. का गठन किया गया है जिसके अध्यक्ष श्री रत्न ठाकुर जी है, कार्यकारिणी की बैठको मे महा विद्यालय से जुड़ी विभिन्न समस्याओं एवं योजनाओं पर विस्तृत चर्चा होती है, सभी को साथ लेते हुए यह समिति आपसी सहयोग से विद्यार्थियों को हर संभव सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए प्रयासरत रहती हैं। ओ.एस.ए. का गठन किया गया है जिसमे स्वाति मेहता को प्रेजिडेंट, चंदा /अंजलि को सचिव चुना गया है, इस के अलावा केंद्रीय छात्र संघ (सीएससीए) मे वंश गुप्ता बी.ए.तृतीय वर्ष (प्रेसिडेंट) तमन्ना बीकॉम तृतीय वर्ष (वाइस प्रेसिडेंट) रोनिका बीए द्वितीय वर्ष (महासचिव) भाविता बीए प्रथम वर्ष (सचिव) चुना गया है। परीक्षा परिणाम: 2023-2024 मे बी.ए.तृतीय वर्ष का परीक्षा परिणाम 96% रहा, जिसमे मुख्य उपलब्धि रही हि.प्र .वि.वि. शिमला के समाज शास्त्र विभाग मे एम.ए. नियमित प्रवेश चयन छात्र मि. वीरेंद्र के रूप मे और पी.जी. कॉलेज रामपुर मे कॉमर्स, इकोनॉमिक्स, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीती शास्त्र, हिंदी, सभी विभागों मे विद्यार्थीयों का एम.ए. मे नियमित प्रवेश चयन हुआ है जो की महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। सत्र 2024-25 का आगाज़ प्राचार्या महोदया डॉ. पूनम मेहता के संबोधन से हुआ, महाविद्यालय मे प्रवेश लिए नए विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गई तथा अनुशासन और गरिमा को बनाए रखने के लिए भी हिदायत दी गयी, एंटी रैगिंग और नियमों के बारे में भी विस्तृत चर्चा की गई। प्राचार्या महोदया के कुशल नेतृत्व मे (एस. ए.आर.) की रैंकिंग में 150 महाविद्यालयों मे ननखड़ी महाविद्यालय ने 90 वा स्थान प्राप्त किया। जो की नये खुले महाविद्यालयों मे सबसे बेहतर आँका गया है।प्राचार्य महोदया के कुशल दिशा निर्देशन मे महाविद्यालय की समस्त गतिविधियां सुचारू रूप से चल रही है।

खेलकूद प्रतियोगिताएं: महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा का प्राध्यापक पद नहीं है, प्रोफेसर देव नेगी के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने खेलकूद प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लिया है, वह चाहे खेल दिवस हो या स्पोर्ट्स एथलेटिक एनुल मीट, या फिर अंतर महाविद्यालय वॉलीबॉल या कबड्डी प्रतियोगिताएं हो, विद्यार्थियों की सहभागिता उसमें भी रही है. भाषण प्रतियोगिता अंतर महाविद्यालय हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युवा महोत्सव प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय ननखड़ी ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है और प्रदेश के महाविद्यालयों मैं अपनी पहचान बनाई है।

शैक्षणिक उपलब्धियां: यह महाविद्यालय के लिए गर्व का विषय है कि वाणिज्य विभाग के दो प्रोफेसर को डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत किया गया है। अन्य विभाग के प्राध्यापकों द्वारा रिफ्रेशर कोर्स व फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम इस सत्र में निरंतर किए जा रहे है।एन. एस. एस (राष्ट्रीय सेवा योजना): कार्यक्रम प्रभारी प्रियंका ठाकुर की अगुवाई मे पूरे वर्ष विभिन्न गतिविधियां होती रही है वो चाहे महाविद्यालय परिसर मे नारा लेखन हो, स्वच्छता, नशे के खिलाफ जागरूकतारैली निकालना हो, सात दिवसीय वार्षिक शिविर का भी सफल आयोजन महाविद्यालय की एन. एस. एस. इकाई द्वारा किया गया।

रोड सेफ्टी क्लब: हमेशा की तरह कार्यक्रम अधिकारी प्रो. पुनिता वर्मा के नेतृत्व मे रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत चित्रकला व नारा लेखन, रंगोली, आदि अनेक प्रकार की प्रतियोगितायें आयोजित की जाती है.नुक्कड़ नाटक और विद्यार्थियों ने रैली निकाल कर विभिन्न विषयों जैसे स्वच्छता. नशे के दुषप्रभाव, पर्यावरण संरक्षण,के प्रति लोगों को जागरूक भी किया है, विद्यार्थियों को फायर स्टेशन रामपुर ले जाकर उन्हेंआपदा व आपात कालीन परिस्थिति से निपटने का कौशल सिखाना रोड सेफ्टी क्लब की उपलब्धि को दिखाता है साथ ही वुमन सैल भी की प्रभारी होने के कारण महिलाओ के बीच उनकी भूमिका को ले कर विस्तृत चर्चा, महिलाओ की स्थिति, दशा,उनके मार्गदर्शन मे अच्छा कार्य कर रहा है। करियर काउंसलिंग सेल भी विद्यार्थियों के रोज़गार से जुड़े निर्णय लेने में मदद करता है यह उनके कौशल और व्यक्तित्व विकास को निखारने का काम करता है इस कड़ी में, महाविद्यालय के बाहर से आए हुए विद्वानों ने अपने विचार समय-समय पर प्रो. विजय कुमार, प्रो. पुनीता वर्मा, प्रो ललित कुमार,प्रो शर्मीला के सहयोग से विद्यार्थियों के साथ साझा किए हैं। विद्यार्थियों को सभी प्राध्यापकों का सहयोग हर कदम पर मिलता रहा है। रेड रिबन क्लब, रोवर ओर रेंजर, इको क्लब, विषय क्लब, बखूबी से अपना कार्य कर रहे है।सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य गतिविधियां महाविद्यालय मे वार्षिक शैक्षणिककैलेंडर के अनुसार मनाये जाते है,योग दिवस, खेल दिवस,वन महोत्सव, इंटर हॉउस क्विज, प्रश्नोत्तरी, भाषण प्रतियोगिता, शिक्षक दिवस, हिंदी दिवस, बाल दिवस,सविंधान दिवस,एड्स दिवस,आदि। इन सभी दिवसो मे विभिन्न प्रकार की गतिविधियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता रहा है जिसमे विद्यार्थियों का सराहनीय प्रदर्शन रहा है ।संगीत विभाग के सहायक आचार्य शिवा राणा के मार्गदर्शन मे विद्यार्थी अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को निखारने मे प्रयास रत है। महाविद्यालय के अन्य कर्मचारीभी अपनी जी जान लगा कर विद्यार्थियों के हित मे निरंतर कार्य करते है, मेरी कामना है कि महाविद्यालय ऐसे ही निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर रहे और यहां से उत्तीर्ण विद्यार्थी प्रदेश और देश मे विदेश में,अपना नाम, परिवार का नाम, क्षेत्र का नाम गोरवान्वित करें।

डॉ. पूनम मेहता, प्राचार्या जी. डी. सी ननखरी